ए) वित्तीय वर्ष 2015-16 के दौरान संपन्न नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सातत्यता की गतिविधियॉ

1. स्वास्थ्य संरक्षण

ए) मोबाइल मेडि-केर इकाई : कंपनी ने वर्ष 2012-13, 2013-14 तथा 2014-15 के दौरान नलगोंडा जिले के नारायणपुरा मंडल के 16 गॉ वों के उम्रदराज लोगों के लिए रु.65 लाख से स्वास्थ्य संरक्षण तथा मुफ्त में दवाइयॉ उपलब्धकराने हेल्पेज इंडिया के साथ अनुबंध ज्ञापन प्रलेख पर हस्ताक्षर किये हैं. साथ ही, वर्ष 2014-15 के दौरान इस परियोजना के लिए अनुमानत: 19.78 लाख रुपये की राशि आबंटित की गई. अनुबंध ज्ञापन प्रलेख के अनुसार हेल्पेज इंडिया के द्वारा लगभग 1600 हितार्थियों को स्वास्थ्य संरक्षण तथा दवाइयॉ दी जा रही हैं.

2. मध्याह्न-भोजन :

कंपनी ने वर्ष 2014-15 के दौरान मेसर्स अक्षयपात्र फाण्डेशन (टीएपीएफ) के माध्यम से पटानचेरु मंल स्थित 63 सरकारी स्कूल के 9403 विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन की सुविधा उपलब्ध करायी. इस पर लगभग 70.52 लाख का खर्च आया.

3. शुद्ध पेय-जल

कंपनी ने मेसर्स नांदी फाउण्डेशन के माध्यम से नलगोंडा जिले के नारायणपुर, जनगॉ व तथा पीपलपहाड़ गॉ वों में शुद्ध पेय्जल के लिए रु. 64 लाख व्यय (वर्ष 2012-13 से 2014-15 तक तीन वर्ष के लिए अनुरक्षण सहित) से तीन संयंत्र स्थापित किये.

बी) वर्ष 2014-15 के दौरान नैगमिक सामाजिक उत्तरदायित्व एवं सातत्यता के अंतर्गत निम्नलिखित चार परियोजनाऍ भी लागू होंगी :

i) कंचनबाग कांप्लेक्स में परिचालन एवं अनुरक्षण सहित रु. 127 लाख की लागत से रिवर्स ऑस्मोसिस (आर ओ) संयंत्र स्थापित करना. दि. 12.9.2014 को तत्संबंधी ई-बिडिंग की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है और रु. 127 लाख की निविदा देने वाले न्यूनतम बिडर को कार्य-आदेश देने संबंधी अनुमोदन भी लिया जा रहा है.

ii) रु. 8.8 लाख की अनुमानित लागत से 3 वर्ष के अनुरक्षण सहित कंचनबाग कांप्लेक्स के कैंटीन परिसर में 10 सोलार स्ट्रीट लाइट लगवाना. दि. 12.9.2014 को सोलार इन्नोवेशन्स अण्ड सिस्टम्स को कार्य-आदेश दे दिये गये हैं और यह कार्य 45 दिन में पूर्ण किया जाएगा.

iii) रु. 105.5 लाख की अनुमानित लागत से कंचनबाग कांप्लेक्स की कैंटीन बिल्डिंग की छत पर 100 किलोवॉट ग्रिडयुक्त सोलार पी वी ऊर्जा संयंत्र स्थापित कर आरंभ करना. 100 किलोवाट ऊर्जा के आरंभ संबंधी तकनीकी विनिर्दष्टताओं को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चालू है.

iv) रु. 228 लाख से सरकारी स्कूलों में 138 शौचालयों का निर्माण करना. स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की वेबसाइट में उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कंपनी ने इस कार्य के लिए तेलंगाना के मेदक जिले के पटानचेरु मंडल, रंगारेड्डी जिले के मइब्राहिमपट्टणम मंडल तथा आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टणम के गाजुवाका मंडलों को पहचाना है.